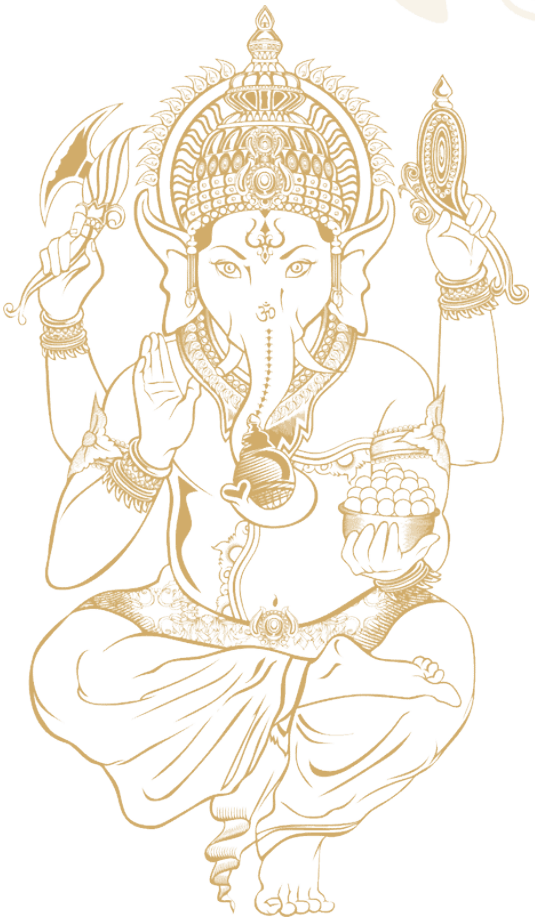

Shikhar Vashu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121719915

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/12/1990	जन्म तिथि	23/07/1991
शुक्र-शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 04:10:00	जन्म समय	10:39:00 घंटे
घटी 53:42:56	जन्म समय(घटी)	13:27:05 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:49	सूर्योदय	05:16:10
17:08:33	सूर्यास्त	18:49:16
23:44:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 3मा 26दि	02:05:41	वृश्चि	लग्न	कन्या	16:09:32	बुध 3वर्ष 2मा 0दि
गुरु	06:04:34	धनु	सूर्य	कर्क	06:08:07	सूर्य
18/04/2013	28:25:56	मक	चंद्र	वृश्चि	27:30:58	21/09/2021
18/04/2029	04:46:22	वृष व	मंगल	सिंह	10:59:47	22/09/2027
गुरु 06/06/2015	11:38:55	धनु व	बुध	सिंह	03:04:14	सूर्य 09/01/2022
शनि 18/12/2017	19:05:26	कर्क व	गुरु	कर्क	25:11:32	चन्द्र 11/07/2022
बुध 25/03/2020	18:22:13	धनु	शुक्र	सिंह	12:02:24	मंगल 15/11/2022
केतु 28/02/2021	00:46:52	मक	शनि व	मक	10:02:46	राहु 10/10/2023
शुक्र 30/10/2023	04:28:15	मक	राहु	धनु	25:13:22	गुरु 28/07/2024
सूर्य 18/08/2024	04:28:15	कर्क	केतु	मिथु	25:13:22	शनि 10/07/2025
चन्द्र 18/12/2025	15:23:38	धनु	हर्ष व	धनु	17:20:16	बुध 17/05/2026
मंगल 24/11/2026	20:00:17	धनु	नेप व	धनु	21:13:53	केतु 22/09/2026
राहु 18/04/2029	25:32:47	तुला	प्लूटो व	तुला	23:49:44	शुक्र 22/09/2027

लग्न-चलित

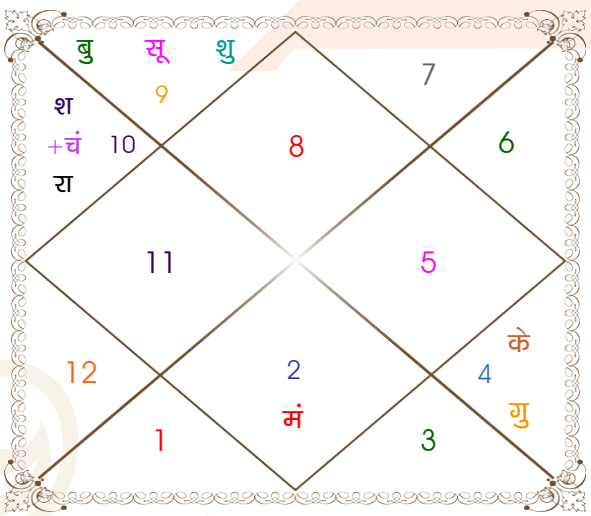

लग्न-चलित

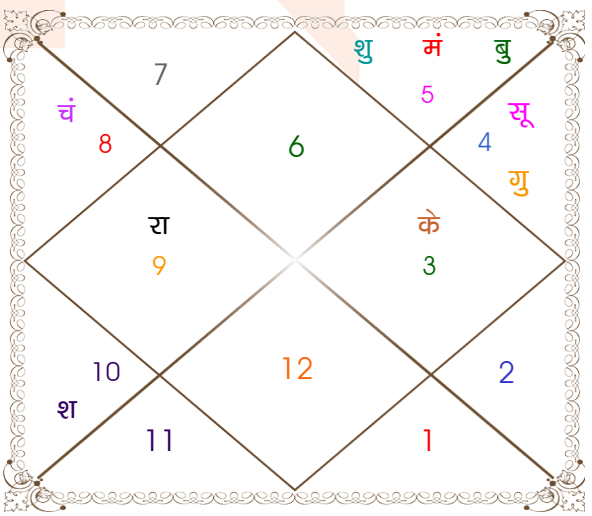

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

ौपीत का वर्ग मार्जार है तथा Vashu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपीत और Vashu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपीत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलौपीत कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vashu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुौपीत कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपीत तथा Vashu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।